भारत सरकार

रेल मंत्रालय

**राज्य सभा**

**23.03.2018 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 3355 का उत्तर**

**आसियान देशों के साथ रेल संपर्क**

**3355. श्री राजीव शुक्लः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या आसियान देशों के साथ रेल संपर्क का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस संबंध में कोई कार्य-योजना बनाई गई है और क्या इस प्रस्तावित परियोजना के लिए कोई बजटीय प्रावधान किया गया है; और

(घ) क्या इस संबंध में हिस्सेदारों से कोई चर्चा की गई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेन गोहांई)**

(क) से (घ): आसियान देशों में मुख्य रूप से मीटर लाइन रेलवे नेटवर्क है, जबकि भारतीय रेल ने बड़ी लाइन को अपनाया है। भारत आसियान देशों में से केवल म्यांमार के साथ सीमा साझा करता है। संयुक्त राष्ट्र एशिया और प्रशांत के लिए आर्थिक और सामाजिक आयोग (यूएन-ईएससीएपी) ने ट्रांस एशियाई रेलवे (टीएआर) के दक्षिणी गलियारे के संरेखण को अंतिम रूप दिया था, जिसमें कलय (म्यांमार) से जीरीबाम (भारत) के लिए मिसिंग लिंक शामिल है, जहां आमान का एक हिस्सा शामिल है। भारत की तरफ, जीरीबाम और इम्फाल (110.6 किलोमीटर) के बीच बड़ी लाइन के एक नए रेल लिंक को 6571 करोड़ रु. की अनुमानित लागत के साथ शुरू किया गया है। इसके अलावा, म्यांमार की सीमा के निकट इम्फाल और मोरेह (111.2 किलोमीटर) के बीच एक नई बड़ी लाइन के लिए एक टोही इंजीनियरी-सह-यातायात सर्वेक्षण शुरू किया गया है।

\*\*\*\*\*